

## गगि शर्मकिों से संबंघति चुनौतयिों

### प्रलिमिंस के लयि:

गगि शर्मकिों से संबंघति चुनौतयिों, [गगि शर्मकि](#), [अनुसुचति जात](#) और [अनुसुचति जनजात](#), [सामाजकि सुरकषा संहति \(2020\)](#), [वेतन संहति, 2019](#)

### मेन्स के लयि:

गगि शर्मकिों से संबंघति चुनौतयिों, गगि शर्मकिों के लयि चुनौतयिों और समाधान, भारत में गगि अरथव्यवस्था और उठाए जाने वाले कदम

[स्रोत: द हदि](#)

## चर्या में क्यो?

हाल ही में पीपलस एसोसिएशन इन ग्रासरूट्स एक्शन एंड मूवमेंट्स और इंडियन फेडरेशन ऑफ एप-आधारति ट्रांसपोर्ट वर्करस द्वारा एक अध्ययन कयि गया जो भारत में एप-आधारति कैब तथा डलिवरी ड्राइवरों/व्यक्तयिों जैसे [गगि शर्मकिों](#) द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतयिों पर प्रकाश डालता है।

## अध्ययन से संबंघति प्रमुख बदि क्या हैं?

### दीर्घ कार्यावधि:

- लगभग एक तहिाई एप-आधारति कैब ड्राइवर दनि में **14 घंटे से अधिक कार्य करते हैं**, 83% से अधिक ड्राइवर **10 घंटे से अधिक कार्य करते हैं** और **60% ड्राइवर 12 घंटे से अधिक कार्य करते हैं**।
- [अनुसुचति जात और अनुसुचति जनजात](#) के 60% से अधिक ड्राइवर दनि में 14 घंटे से अधिक कार्य करते हैं। काम के घंटों को लेकर ये असमानताएँ कार्य स्थिति पर और अधिक प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

### कम वेतन:

- 43% से अधिक गगि शर्मकि** सभी लागतों की कटौती के बाद **प्रतदिनि 500 रुपए** अथवा 15,000 रुपए से कम आय अर्जति करते हैं।
- इसके अतरिकत 34% एप-आधारति डलिवरी करने वाले शर्मकि प्रतमाह 10,000 रुपए से कम आय अर्जति करते हैं। ये आय असमानताएँ मौजूदा **सामाजकि असमानताओं में योगदान** करती हैं।

### आर्थकि तंगी:

- 72% कैब ड्राइवर और 76% डलिवरी शर्मकिों को व्यय का प्रबंधन करने में कठनिाई का सामना करना पड़ता है **68% कैब ड्राइवरों का कुल व्यय उनकी आय से अधिक** हो जाता है जिससे संभावति रूप से ऋण जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

### असंतोषजनक प्रतपूरति:

- अध्ययन के अनुसार 80% से अधिक एप-आधारति कैब ड्राइवर कंपनयिों द्वारा दयि जाने वाले करिए से असंतुष्ट थे जबकि 73% से अधिक एप-आधारति डलिवरी करने वाले व्यक्तयिों ने उनकी दरों पर असंतोष व्यक्त कयि।
- अध्ययन के अनुसार नयिकता द्वारा ड्राइवरों की **प्रतसवारी पर लयि जाने वाला कमीशन दर 31-40% है** जबकि कंपनयिों द्वारा आधिकारकि तौर पर दावा कयि गया आँकड़ा **20%** है।

### कार्य की स्थिति:

- कार्यावधि के कारण ड्राइवर शारीरकि रूप से थक जाते हैं और वशिष रूप से कुछ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों की **दरवाजे पर 10 मनिट की डलिवरी** नीति के कारण सड़क यातायात दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।
- कई ड्राइवर और डलिवरी बॉय नयिमति छुट्टी लेने के लयि संघर्ष करते हैं, जनिमें से 37% से कम ड्राइवर यूनयिन से संबंघति हैं।

### प्लेटफॉर्म से संबंघति मुद्दे:

- शर्मकिों को **आईडी नषिकरयिकरण और ग्राहक दुर्व्यवहार** जैसे मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी प्रभावी ढंग से काम करने की कषमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- ड्राइवरों और डलिवरी बॉय का एक महत्त्वपूर्ण **बहुमत ग्राहक व्यवहार से नकारात्मक प्रभावों की रपिर्ट करता है**।

### अनुशंसाएँ:

- रपिर्ट ने यह सुनिश्चित करने के लयि नयिमों की सफारशि की कि **कंपनयिों गगि शर्मकिों को कंपनयिों द्वारा कम भुगतान या शोषण से बचाने के लयि नषिपकष और पारदर्शी भुगतान संरचनाएँ स्थापति करें**।

- प्लेटफॉर्म श्रमकों को न्यूनतम वेतन का भुगतान आय में एक नश्चिती घटक की गारंटी देने में मदद करेगा।
  - श्रमकों की ID को ब्लॉक करने के मामलों में, ऐसी प्रथाओं की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये और श्रमकों की ID को अनश्चिती काल के लिये ब्लॉक नहीं किया जा सकता है।
- प्लेटफॉर्म को श्रमकों की मांगों का जवाब देना चाहिये, जैसे क्पिरतलिन-देन कमीशन शुल्क कम करना या श्रमकों को अपने गैसोलीन बलियों के लिये अलग से भुगतान करने की आवश्यकता, जो ईधन की कीमतों के साथ बढ़ रहे हैं और आय अपर्याप्तता की बढ़ती चिताओं को संबोधति करना चाहिये।
- यह अध्ययन एप-आधारति श्रमकों के लिये मज़बूत सामाजकि सुरक्षा और श्रमकों की नगिरानी के लिये प्लेटफॉर्मों द्वारा उपयोग कयि जाने वाले एल्गोरदिम तथा तंत्र की नषिपक्षता पर सरकारी नगिरानी की सफिरशि करता है।

## गगि वरकर कौन हैं?

### ■ गगि वरकरस:

- गगि वरकर ऐसे वयक्ती होते हैं जो अस्थायी, लचीले आधार पर काम करते हैं, अक्सर कई ग्राहकों या कंपनयियों के लयि कार्य करते हैं या सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- वे पारंपरिक कर्मचारयियों के बजाय आम तौर पर स्वतंत्र ठेकेदार होते हैं, जसिका अर्थ है कवि कब, कहाँ और कैसे काम करते हैं, इस पर उनका अधिकि नयित्रण होता है।

### ■ गगि इकोनॉमी:

- एक मुक्त बाज़ार प्रणाली जसिमें अस्थायी पद सामान्य होते हैं और संगठन अल्पकालकि कार्यो के लयि स्वतंत्र श्रमकों के साथ अनुबंध करते हैं।



# India Gig Economy Overview



## Key Highlights

- 7.7 million Indians are currently engaged in gig work
- 9.9 million Indians are expected to be gig workers by 2023.
- India is projected to have 23.5 million gig workers by 2029-30

(Source: NITI Aayog)

## Sector Wise Gig Hiring



**2.7 Million** Indian Gig Workers are engaged in **Retail Trade and Sales**



**1.3 Million** Indian Gig Workers are engaged in the **Transportation sector**



**0.6 Million** Indian Gig Workers are engaged in **Manufacturing sector**



**0.6 Million** Indian Gig Workers are engaged in **Finance and Insurance Services**



**2.5 Million** Indian Gig Workers are engaged in **E-Commerce Websites**

(Source: NITI Aayog)

## Companies in the Space



Dunzo's Business grew by 94% this quarter. (27x previous growth rate)



Uber has started offering electric vehicles to customers in certain parts of the Delhi-NCR region and says it will expand its efforts over the coming months.



Swiggy Instamart expanded to delivering groceries till 3 am in the night.



## गगि वरकरस को सामाजकि सुरक्षा लाभ प्रदान करना क्यों आवश्यक है?

### ■ आर्थकि सुरक्षा:

- 'केवल मांग-आधारति' प्रकृति के परिणामस्वरूप रोजगार की सुरक्षा की कमी होती है और आय की नरिंतरता से जुडी अनश्चितता होती है, जिससे बेरोजगारी बीमा, वकिलांगता कवरेज तथा सेवानवित्त बचत कार्यक्रमों जैसे सामाजकि सुरक्षा लाभ प्रदान करना और भी उचित हो जाता है।

### ■ अधिक उत्पादक कार्यबल:

- नथिकृता-प्रायोजति स्वास्थय बीमा और अन्य स्वास्थय देखभाल लाभों तक पहुँच का अभावगगि वरकरस को अपरत्याशति चकितिसा खर्चों के प्रतिसंवेदनशील बनाता है। उनके स्वास्थय एवं कल्याण को प्राथमकिता देने से एक स्वस्थ और अधिक उत्पादक कार्यबल का नरिमाण हो सकेगा।

### ■ अवसरों की समता:

- पारंपरकि रोजगार सुरक्षा से अपवरजन असमानता पैदा करती है, जहाँ गगि वरकरस को शोषणकारी कार्य दशाओं और अपर्याप्त मुआवजे का सामना करना पडता है। सामाजकि सुरक्षा लाभ प्रदान करने से एकसमान अवसर का नरिमाण होगा।

### ■ दीर्घकालकि वतित्तीय सुरक्षा:

- नथिकृता-प्रायोजति सेवानवित्त योजनाओं के बनि गगि वरकरस अपने भवषिय के लयि पर्याप्त बचत कर सकने में अक्षम हो सकते हैं। गगि वरकरस को सेवानवित्त के लयि बचत करने में सक्षम बनाने से उनके लयि भवषिय की वतित्तीय कठनाई और सार्वजनकि सहायता कार्यक्रमों पर नरिभर होने का जोखमि कम होगा।

## गगि करमचारियों को सामाजकि सुरक्षा लाभ प्रदान करने की राह की प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

### ■ वर्गीकरण और अतरिकित लचीलापन:

- स्वरोजगार और नरिभर-रोजगार के बीच की धुंधली सीमाएँ तथा कई फर्मों के लयि कार्य कर सकने या अपनी इच्छा से नौकरी छोड़ सकने की स्वतंत्रता, गगि वरकरस के प्रतिकंपनी दायित्वों की सीमा नरिधारति करना कठनि बना देती है।

- गगि इकोनॉमी को इसके लचीलेपन के लयि जाना जाता है, जहाँ कामगारों को यह तय करने की अनुमति मिलती है कवि कब, कहाँ और कतिना कार्य करें।

- इस लचीलेपन को समायोजति कर सकने और गगि वरकरस की वविधि आवश्यकताओं को पूरा कर सकने वाले सामाजकि सुरक्षा लाभों को डिजाइन करना एक जटलि कार्य है।

### ■ वतित्तपोषण और लागत वतितरण:

- पारंपरकि सामाजकि सुरक्षा प्रणालियाँ नथिकृता और करमचारी के योगदान पर नरिभर करती हैं, जहाँ नथिकृता आमतौर पर लागत के एक उल्लेखनीय भाग का वहन करते हैं।

- गगि इकोनॉमी, जहाँ करमचारी प्रायः स्व-नथियोजति होते हैं, के लयि एक उपयुक्त वतित्तपोषण तंत्र की पहचान करना जटलि हो जाता है।

### ■ समन्वय एवं डेटा साझाकरण:

- वभिनिन सामाजकि सुरक्षा कार्यक्रमों के लयि गगि वरकरस के आय अर्जन, योगदान एवं पात्रता का सटीक आकलन करने के लयि गगि प्लेटफॉर्म, सरकारी एजेंसियों तथा वतित्तीय संस्थानों के बीच कुशल डेटा साझाकरण और समन्वयन आवश्यक है।

- लेकिन गगि वरकरस प्रायः कई प्लेटफॉर्म या क्लाइट्स के लयि कार्य करते हैं, जिससे इस संदर्भ में समन्वय करना और उचित कवरेज सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

### ■ शकिषा और जागरूकता:

- कई गगि वरकरस सामाजकि सुरक्षा लाभों के संबंध में अपने अधिकारों और पात्रता से अनभजिज भी हो सकते हैं।

- इनकी जागरूकता बढ़ाना और सामाजकि सुरक्षा, पात्रता मानदंड एवं आवेदन प्रक्रया के महत्त्व के बारे में शकिषति करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

## गगि वरकरस की सामाजकि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लयि क्या उपाय कयि जा सकता है?

### ■ सामाजकि सुरक्षा पर संहति कार्यान्वयन, 2020:

- हालाँकि सामाजकि सुरक्षा संहति, 2020 में गगि श्रमिकों के लयि प्रावधान शामिल हैं, नथिम अभी तक राज्यों द्वारा तैयार नहीं कयि गए हैं और साथ ही बोर्ड की स्थापना के संदर्भ में बहुत कुछ नहीं हुआ है। अतः सरकार को इन पर शीघ्रता से कार्य करना चाहयि।

### ■ अंतर्राष्ट्रीय उदाहरणों को अपनाना:

- यूके ने गगि श्रमिकों को "श्रमकि" के रूप में वर्गीकृत करके एक मॉडल स्थापति कयि है, जो करमचारियों और स्व-रोजगार के बीच की एक श्रेणी है।

- इससे उन्हें न्यूनतम वेतन, सवैतनकि छुट्टियाँ, सेवानवित्त लाभ योजनाएँ और स्वास्थय बीमा प्राप्त होता है।

- इसी प्रकार इंडोनेशिया में वे दुर्घटना बीमा, स्वास्थय बीमा एवं मृत्यु बीमा के होते हैं।

### ■ नथिकृता उत्तरदायित्वों का वसितार:

- गगि श्रमिकों हेतु मजबूत समर्थन उन गगि कंपनियों से आना चाहयि जो स्वयं इस जटलि एवं कम लागत वाली कार्य व्यवस्था से लाभानवति होती हैं।

- गगि श्रमिकों को स्व-रोजगार अथवा स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वर्गीकृत करने की प्रथा को समाप्त करने की आवश्यकता है।

- कंपनियों को नथिमति करमचारी के समान लाभ दयि जाना चाहयि।



■ **सरकारी समर्थन:**

- सरकार को शिक्षा, वित्तीय सलाहकार, कानूनी, चिकित्सा अथवा ग्राहक प्रबंधन क्षेत्रों जैसे उच्च कौशल वाले गिग कार्यों में व्यवस्थित रूप से नरियात बढ़ाने में नविश करना चाहिये; भारतीय गिग श्रमिकों हेतु वैश्विक बाजारों तक पहुँच को आसान बनाकर।
- साथ ही सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने की ज़िम्मेदारी साझा करने हेतु नषिपक्ष एवं पारदर्शी तंत्र स्थापित करने के लिये सरकारों, गिग प्लेटफॉर्मों एवं श्रमिक संगठनों के बीच सहयोग की आवश्यकता होगी।

## गिग श्रमिकों से संबंधित सरकार की पहल:

- **सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020** में 'गिग इकॉनमी' पर एक अलग खंड शामिल है और साथ ही गिग नियोक्ताओं पर सरकार के नेतृत्व वाले बोर्ड द्वारा प्रबंधित सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान करने का दायित्व भी दिया गया है।
- **वेतन संहिता, 2019** गिग श्रमिकों सहित संगठित तथा असंगठित क्षेत्रों में सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन एवं आधारभूत वेतन प्रदान करता है।

## नषिकर्ष

एप-आधारित श्रमिकों की कार्य स्थितियों, वित्तीय सुरक्षा एवं समग्र कल्याण में सुधार हेतु व्यापक उपायों की आवश्यकता है, उनके अधिकारों तथा सुरक्षा की वकालत करते हुए गिग अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को मान्यता दी जाए।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

**[?/?/?/?/?]:**

प्रश्न. भारत में महिलाओं के सशक्तीकरण की प्रक्रिया में 'गिग इकॉनमी' की भूमिका का परीक्षण कीजिये। (2021)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/challenges-faced-by-the-gig-workers>